प्रेस विज्ञप्ति
31.10.2026

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई आंचलिक कार्यालय-II ने **ऑल पैनल एक्सचेंज (एपीएक्स)** के माध्यम से संचालित ऑनलाइन गेमिंग/सट्टेबाजी घोटाले तथा इससे संबंधित साइबर धोखाधड़ी गतिविधियों की जारी जांच के सिलसिले में **27.10.2026** को **सागर दाश** को **धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002** के प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ्तार किया है। माननीय विशेष न्यायालय (पीएमएलए), मुंबई ने उसे **03 दिनों के लिए ईडी की हिरासत** में भेज दिया है।

ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग/सट्टेबाजी तथा साइबर धोखाधड़ी से संबंधित दर्ज 03 **एफआईआर** के आधार पर जांच शुरू की। इन मामलों में शिकायतकर्ताओं के साथ धोखाधड़ी की गई थी और उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। जांच में पता चला है कि धनराशि को हैदराबाद स्थित जुबली हिल्स मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक के माध्यम से कई म्यूल खातों में भेजा गया और तत्पश्चात विभिन्न शेल संस्थाओं में अंतरित किया गया। आगे के विश्लेषण से पता चला कि इन शेल संस्थाओं से बड़ी मात्रा में धनराशि बेंगलुरु स्थित नगरभावी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के नोडल खाते में अंतरित की गई। यह खाता सागर दाश द्वारा स्थापित आर्मस्ट्रॉन्ग एक्सचेंज प्राइवेट लिमिटेड नामक संस्था की ओर से संचालित किया जा रहा था।

जांच में पता चला है कि सागर दाश ने क्रिप्टो खाता खोलने के लिए नगरभावी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के केवाईसी तथा कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग किया। उसने उक्त सहकारी समिति के बैंक खाते के माध्यम से सैकड़ों करोड़ रुपये की अनुमानित धनराशि का लेन-देन किया। इस धनराशि का एक बड़ा हिस्सा निर्दोष पीड़ितों को प्रलोभन देकर साइबर घोटालों के माध्यम से अवैध गेमिंग/सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों से अर्जित अपराध की आय से सीधे जुड़ा हुआ पाया गया।

इस मामले में इससे पूर्व, ईडी ने पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सूरत तथा मेहसाणा (गुजरात) सहित विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाए थे। इन अभियानों के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए तथा विभिन्न बैंक खातों में जमा लगभग 9 करोड़ रुपये की धनराशि फ्रीज की गई थी। इसके अतिरिक्त, ईडी ने एडसम फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ राम यू. रामधानी को गिरफ्तार किया था।

प्रवर्तन निदेशालय अवैध वित्तीय नेटवर्क का पता लगाने और उन्हें ध्वस्त करने तथा पीएमएलए, 2002 का कड़ाई से प्रवर्तन सुनिश्चित करने के अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है।

आगे की जांच प्रक्रियाधीन है।